इनफ्लिबनेट न्यूजलेटर

ISSN : 0971- 9849
खंड ३१, अंक सं. १ (जनवरी से मार्च २०२४)

संपादक – मंडल

प्रो. देविका पी. माडल्ली
श्री पल्लब प्रधान
श्री मोहित कुमार
डॉ रोमा असनानी

IndCat
https://indcat.inflibnet.ac.in/

SOUL
https://soul.inflibnet.ac.in/

VIDWAN
https://vidwan.inflibnet.ac.in/

e-ShodhSindhu
https://ess.inflibnet.ac.in/

N-LIST (E-resources for College)
https://nlist.inflibnet.ac.in/

InfiStats: Usage Statistics Portal for e-Resource
https://infistat.inflibnet.ac.in/

Indian Research Information Network System
https://irins.org/irins/

e-PG Pathshala
https://epgp.inflibnet.ac.in/

Vidya-Mitra: Integrated e-content Portal
https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET's Institutional Repository
https://ir.inflibnet.ac.in/

Shodhganga
https://shodhganga.inflibnet.ac.in/

ICT Skill Development Programmes
https://hrd.inflibnet.ac.in/

INFED
https://parichay.inflibnet.ac.in/

INFLIBNET Learning Management Service
https://www.inflibnet.ac.in/ilms/

विषय सूची

निदेशक की कलम से	1
इनफ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं/वेबिनार	3
इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (आईएलएमएस) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	9
ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
शोधशुद्धि (पीडीएस) पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	10
ORCID आउटरीच कार्यक्रम (ORCID/ओआरसीआईडी ग्लोबल पार्टिसिपेशन फंड)	11
डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड	12
"SheRNI: भारत में शी रिसर्च नेटवर्क " पोर्टल का शुभारंभ	13
इनफ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति	15
अन्य उल्लेखनीय घटनाएँ और गतिविधियाँ	19
कर्मचारी समाचार	22
नई नियुक्तियाँ	23
उपयोगकर्ताओं की राय	24

निदेशक की कलम से
From Director's Desk

(प्रिय पाठको)

मुझे 2024 के INFLIBNET न्यूज़लैटर का पहला तिमाही अंक प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। मुझे आपको यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि INFLIBNET केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 के अवसर पर SheRNI शी रिसर्च नेटवर्क इन इंडिया' लॉन्च किया है। SheRNI विशेषज्ञ प्रोफ़ाइल नेटवर्क प्रणाली है जो भारत में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता को जोड़ती है और उनका लाभ उठाती है। यह प्रणाली महिला संकाय सदस्यों और विशेषज्ञों के लिए राष्ट्रीय स्तर की विशेषज्ञ प्रोफ़ाइल प्रणाली बनाकर सहयोग, परामर्श और ज्ञान–साझाकरण के अवसर प्रदान करके महिलाओं को सशक्त बनाती है। यह पहल देश में अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं और उनकी विशेषज्ञता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करती है।

IRINS, Shodh-Chakra और Shodhganga जैसी परियोजनाएं अद्भुत प्रदर्शन कर रही हैं और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। रिपोर्ट की गई अवधि तक, केंद्र ने संस्थानों के लिए 1,148 IRINS उदाहरण बनाए हैं, 119 विश्वविद्यालयों ने Shodh-Chakra का उपयोग करने के लिए INFLIBNET केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, और 765 योगदान देने वाले विश्वविद्यालयों के योगदान से Shodhganga भंडार में जमा थीसिस बढ़कर 5,25,293+ हो गई है। मैं इन परियोजनाओं के पीछे की टीम को हार्दिक बधाई देता हूं। INFLIBNET केंद्र इस सफलता को प्राप्त करने में उनके महान समर्थन के लिए इन उल्लिखित परियोजनाओं के सभी नोडल अधिकारियों को ईमानदारी से धन्यवाद और बधाई देता है।

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, 15 विश्वविद्यालयों ने शोध–चक्र का उपयोग करने के लिए INFLIBNET केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, और केंद्र द्वारा संस्थानों के लिए 66 IRINS उदाहरण बनाए गए। रिपोर्ट की गई तिथि तक, कुल 886 (780 विश्वविद्यालय+106 सीएफटीआई/आईएनआई) ने इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ शोधगंगा पर एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान 21 एमओयू (20 विश्वविद्यालय+01 सीएफटीआई/आईएनआई) शामिल हैं। रिपोर्ट की गई तिमाही के दौरान अपलोड की गई कुल थीसिस 19,427 है।

रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, जहां तक आईएसबीएन पोर्टल के माध्यम से आईएसबीएन के आवंटन का सवाल है, कुल 3,341 हितधारकों ने आईएसबीएन पोर्टल पर पंजीकरण कराया, 8,564 आवेदन प्राप्त हुए, और हितधारकों/प्रकाशकों को 1,22,292 आईएसबीएन आवंटित किए गए।

INFLIBNET केंद्र देश भर के विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों के बीच प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए नियमित रूप से ऑफ़लाइन/ऑनलाइन विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएँ आयोजित करता है। रिपोर्ट की गई तिमाही के दौरान, केंद्र ने क्रमशः 29 जनवरी से 2 फरवरी 2024, और 26 फरवरी से 1 मार्च 2024 तक "SOUL 3.0 इंस्टालेशन और संचालन" पर दो प्रशिक्षण कार्यक्रम (166वां और 167वां) आयोजित किया। दो (02) तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमः 07 से 09 फरवरी 2024 तक अनुसंधान पद्धति और नैतिकताः साहित्यिक चोरी के मुद्दे, संदर्भ प्रबंधन उपकरण और अल्टमेट्रिक्स पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, और 20 से 22 मार्च 2024 तक तीन दिवसीय अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (RIMS) कार्यशाला, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में आयोजित किया गया था।

केंद्र ने इस अवधि के दौरान आईएलएमएस पर 01 ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर 03 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए। नए पीडीएस – ड्रिलबिट के बारे में अपने अंतिम उपयोगकर्ताओं को जागरूक करने के लिए, केंद्र ने 15 फरवरी 2024 को दिल्ली यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी सिस्टम, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से 01 क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। सम्मानित ORCID ग्लोबल पार्टिसिपेशन फंड के हिस्से के रूप में, देश में विद्वान संचार क्षेत्रों

और प्लेटफार्मों पर ORCID आईडी अपनाने और कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए, INFLIBNET केंद्र ने 05 आउटरीच कार्यक्रम जिसका शीर्षक था "विद्वान समुदायों के लिए ORCID और INFLIBNET सेवाओं पर एक दिवसीय उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम" रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान देश भर में क्षेत्र–वार चयनित एचईआई में आयोजित किए। वे आउटरीच कार्यक्रम क्रमशः 11 जनवरी 2024 को अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु; 19 जनवरी 2024 को भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान पुणे, महाराष्ट्र; 22 जनवरी 2024 को मौलाना मज़हरुल हक अरबी और फ़ारसी विश्वविद्यालय, पटना, बिहार; 27 फरवरी 2024 को सी. वी. रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी (सीजीयू), भुवनेश्वर, ओडिशा; और 28 फरवरी 2024 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आईआईटीएच), कंडी, तेलंगाना, में आयोजित किए गए थे। इसके अलावा, सम्मानित डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड्स (DataCite&GAF) के हिस्से के रूप में, पहला वेबिनार, "अनलीशिंग द पोटेंशियल ऑफ ओपन रिसर्च डेटा मैनेजमेंट", 22 मार्च 2024 को INFIBNET केंद्र द्वारा आयोजित किया गया था।

INFLIBNET केंद्र ने अपने स्टाफ सदस्यों के लिए 17 से 24 जनवरी 2024 तक खेल सप्ताह मनाया। 26 जनवरी 2024 को इसके परिसर में 75वां गणतंत्र दिवस भी मनाया गया। 14 फरवरी 2024 को बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा की गई। केंद्र ने 7 मार्च 2024 को उत्साहपूर्वक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2024 मनाया जिसमें 165 स्टाफ सदस्यों ने केंद्र के सभागार में आयोजित समारोह में भाग लिया।

केंद्र भारतीय शैक्षणिक और अनुसंधान समुदायों की जरूरतों को पूरा करने वाली कई परियोजनाओं और सेवाओं पर काम कर रहा है। हम आगे के भविष्य के विकास के लिए कुछ अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सहयोग की भी उम्मीद कर रहे हैं। मुझे आशा है कि पाठकों को इनफ्लिबनेट न्यूज़लैटर के इस अंक को पढ़ने में आनंद आएगा।

आप सभी को शुभकामनाएं!

धन्यवाद।

(Prof. Devika P. Madalli)

इनफ्लिबनेट प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं

"SOUL 3.0 : स्थापना और संचालन" पर १६६वां पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, २९ जनवरी – ०२ फरवरी २०२४

"SOUL 3.0: स्थापना और संचालन" पर १६६वां प्रशिक्षण कार्यक्रम २९ जनवरी से ०२ फरवरी २०२४ तक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रोफेसर ए.आर.डी. प्रसाद, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, डीआरटीसी–आईएसआई, बैंगलोर ने किया। इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका पी. माडल्ली ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर पीजुशकांति पाणिग्रही, प्रोफेसर, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सी.एस.) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। श्रीमति हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल २३ प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र के अंत में डॉ. एच.जी. होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस.) ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान इनफ्लिबनेट केंद्र के संकाय और संसाधन व्यक्तियों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

१६६वें SOUL प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी के साथ माननीय निदेशक, आमंत्रित अतिथियों और इनफ्लिबनेट तकनीकी कर्मचारियों, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर

मॉड्यूल	संसाधन व्यक्ति
इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–ई (सी.एस.)
कैटलॉग मॉड्यूल	सुश्री रोशनी यादव, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस)
प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (सी.एस.)
परिसंचरण मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)
अधिग्रहण मॉड्यूल	डॉ. एच.जी. होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस.)
सीरियल कंट्रोल मॉड्यूल	श्रीमती आरती सावले, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस)
SOUL 3-0 वेब ओपेक और बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)
SOUL 3-0 इंस्टालेशन	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)
सभी मॉड्यूल का प्रैक्टिकल	श्री विराज पारेख, लाइब्रेरी ऑफिसर (एल.एस) श्री राजन पांडे, लाइब्रेरी एसोसिएट (एल.एस) सुश्री रोज़ मैरी, लाइब्रेरी असिस्टेंट (एल.एस)

समापन सत्र में, श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस) ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। कुछ प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए और सभी तकनीकी सत्रों की सराहना की। सुश्री अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

शोध पद्धति और नैतिकता पर तीन दिवसीय प्रशिक्षणः साहित्यिक चोरी के मुद्दे, संदर्भ प्रबंधन उपकरण और ऑल्टमेट्रिक्स, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, ०७–०९ फरवरी २०२४

शोध पद्धति और नैतिकता पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशालाः साहित्यिक चोरी के मुद्दे, संदर्भ प्रबंधन उपकरण और ऑल्टमेट्रिक्स, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में ०७ से ०९ फरवरी २०२४ तक आयोजित की गई।

डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी अहमदाबाद, गुजरात की माननीय कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) अमी उपाध्याय ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के समन्वयक श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी. एस), इनफ्लिबनेट केंद्र और डॉ. एच.जी. होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस) और एच.आर.डी. डिवीजन के प्रभारी की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रशासनिक अधिकारी और ए. ओ. वित्त के साथ केंद्र के अन्य वैज्ञानिक भी मौजूद थे। भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों से शोधगंगा और शोधशुद्धि के विश्वविद्यालय समन्वयक, शोध विद्वान, प्रोफेसर, संयुक्त रजिस्ट्रार और पुस्तकालय पेशेवर प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हुए।

शोध पद्धति और नैतिकता पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के प्रतिभागीः साहित्यिक चोरी के मुद्दे, संदर्भ प्रबंधन उपकरण और ऑल्टमेट्रिक्स के साथ आमंत्रित अतिथियों और इनफ्लिबनेट के तकनीकी कर्मचारियों, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर

विषय	संसाधन व्यक्ति का नाम
इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ और पीडीएस का परिचय	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)
शोध नैतिकता/शैक्षणिक ईमानदारी और साहित्यिक चोरी के मुद्दों का परिचय	श्री मनोज कुमार के, वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)
शोधगंगा/शोधशुद्धि का डेमो/पीडीएस पर डेमो	डॉ. सुरभि, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
संदर्भ प्रबंधन उपकरणों का उपयोगः मेंडली, ज़ोटेरो इत्यादि और शोध रिपोर्ट लिखना	डॉ. मितेशकुमार पंड्या, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
शोध प्रबंधों को अपलोड करना और शोधगंगोत्री पर डेमो	श्री राजन कुमार, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)
आर/जामोवी का उपयोग करके अनुसंधान और डेटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकीय विधियाँ	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)
आई.आर.आई.एन.एस. एक वेब–आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (आर.आई.एम): (ओ.आर.सी.आई.डी) का अवलोकन	डॉ कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस)
आई.एन.एफ.ई.डी और उपयोग विश्लेषण का परिचय	श्री राजा वी, वैज्ञानिक–सी (सीएस)
एल्टमेट्रिक्सः एक अवलोकन	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
शोध–चक्र का परिचयः संसाधनों के शोधकर्ताओं के लिए एक प्रवेश द्वार	डॉ अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)
शोध प्रदर्शन का आकलन और मूल्यांकनः ग्रंथसूची संकेतक	डॉ कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)
शोध के लिए ई–संसाधन	श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)
पीडीएस/शोधगंगा पर व्यावहारिक अभ्यास	टीम पीडीएस/शोधगंगा

कार्यक्रम में भारत के ०७ राज्यों से छब्बीस (२६) प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र वितरित किया गया। प्रतिभागियों ने समग्र प्रशिक्षण के साथ–साथ आयोजित सभी सत्रों और व्याख्यानों, कैंटीन और लॉजिस्टिक सहायता के बारे में बहुत अच्छी प्रतिक्रिया दी।

"SOUL 3-0: स्थापना और संचालन" पर १६७वां पांच दिवसीय ऑफ़लाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, २६ फरवरी – १ मार्च २०२४

२६ फरवरी से १ मार्च २०२४ तक गांधीनगर स्थित इनफ्लिबनेट केंद्र में "SOUL 3.0: स्थापना और संचालन" पर १६७वां प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इनफ्लिबनेट केंद्र के वैज्ञानिक–एफ (सी.एस) श्री मनोज कुमार के ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। सुश्री अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और उद्घाटन समारोह का समन्वय किया। तकनीकी समन्वयक श्री यात्रिक पटेल, वैज्ञानिक–ई (सी.एस.) ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी और पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ एच.जी होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस) ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) और श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) कार्यक्रम के संयुक्त समन्वयक थे।

इनफ्लिबनेट केंद्र के कर्मचारियों सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है:

मॉड्यूल	**संसाधन व्यक्ति**
प्रशासन मॉड्यूल	श्री विजय श्रीमाली, वैज्ञानिक–बी (सी.एस.)
कैटलॉग मॉड्यूल	सुश्री रोशनी यादव, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस)
परिसंचरण मॉड्यूल	श्रीमती हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस)
अधिग्रहण मॉड्यूल	डॉ. एच.जी. होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस.)
सीरियल कंट्रोल मॉड्यूल	श्रीमती आरती सावले, एस.टी.ओ.–आई (एल.एस)
SOUL 3.0 वेब ओपेक और बैकअप	श्री स्वप्निल पटेल, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)
SOUL 3.0 इंस्टालेशन	श्री दिव्यकांत वाघेला, वैज्ञानिक–डी (सी.एस)
सभी मॉड्यूल का प्रैक्टिकल	श्री विराज पारेख, लाइब्रेरी ऑफिसर (एल.एस) श्री राजन पांडे, लाइब्रेरी एसोसिएट (एल.एस) सुश्री रोज़ मैरी, लाइब्रेरी असिस्टेंट (एल.एस)

१६७वें SOUL प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी के साथ माननीय निदेशक और इनफ्लिबनेट तकनीकी कर्मचारियों, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर

समापन सत्र में, डॉ. एच.जी. होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस) ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका पी. माडल्ली ने सभा को संबोधित किया और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किए। कुछ प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए और सभी तकनीकी सत्रों की सराहना की। सुश्री अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया और समापन सत्र का समन्वय किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में इक्कीस (२१) प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के लाभ के लिए, केंद्र ने गांधीनगर और अहमदाबाद में एक स्थानीय शैक्षिक दौरे की व्यवस्था की।

शोध सूचना प्रबंधन प्रणाली (आर.आई.एम.एस) पर तीन दिवसीय कार्यशाला, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर, २० – २२ मार्च २०२४

२० से २२ मार्च २०२४ तक इनफ्लिबनेट केंद्र में तीन दिवसीय अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (आर.आई.एम.एस) कार्यशाला का आयोजन किया गया। श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी.एस) ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। सुश्री अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। डॉ कन्नन पी., वैज्ञानिक–ई (एल.एस) और श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस) कार्यशाला के समन्वयक थे। श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस) ने कार्यशाला के बारे में जानकारी दी। डॉ. एच.जी. होसामनी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस) ने प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया।।

माननीय निदेशक और इनफ्लिबनेट तकनीकी कर्मचारी, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के साथ अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (आर.आई.एम.एस) कार्यक्रम पर तीन दिवसीय कार्यशाला के प्रतिभागी

इनफ्लिबनेट केंद्र के स्टाफ सदस्यों द्वारा दिए गए व्याख्यानों का विवरण इस प्रकार है::

विषय	संसाधन व्यक्ति का नाम
इनफ्लिबनेट गतिविधियाँ और सेवाएँ	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)
शैक्षणिक पहचान अवलोकनः ORCID	श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सी। एस)
अनुसंधान मेट्रिक्स	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
अनुसंधान डेटा प्रबंधन	डॉ. मितेशकुमार पंड्या, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
अनुसंधान डेटा प्रबंधन	श्री हितेश सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)
डीस्पेस–सी.आर.आई.एस – अवलोकन	श्री राजा वी, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)
अवलोकन– अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (आर.आई.एम.एस)	डॉ कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस)
एल्मेट्रिक्स अवलोकन	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
आई.आर.आई.एन.एस अवलोकन	डॉ कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस)
सी.आर.आई.एस/आई.आर.आई.एन.एस मानक, मेटाडेटा और डेटा स्रोत	श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)
डेटा संकलन और प्रोफ़ाइल निर्माण	सुश्री सविता देवी, एस.टी.ए (एल.एस)/श्रीमती वरलक्ष्मी और टीम
डेटा संकलन और प्रोफ़ाइल निर्माण – अभ्यास	सुश्री सविता देवी, एस.टी.ए (एल.एस)/श्रीमती वरलक्ष्मी और टीम
आई.आर.आई.एन.एस एनालिटिक्स और नोडल अधिकारी डैशबोर्ड	डॉ कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस)
शोध–चक्रः विद्वानों की प्रोफाइल और संसाधन प्रबंधन प्रणाली	डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)
शोध विश्लेषण डैशबोर्ड	डॉ. कृति, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)

कार्यशाला में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के विश्वविद्यालय नोडल अधिकारी, प्रोफेसर, रजिस्ट्रार, शोध विद्वान और पुस्तकालय पेशेवरों सहित कुल २८ प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शोध सूचना प्रबंधन प्रणाली (आर.आई.एम.एस) कार्यक्रम पर तीन दिवसीय कार्यशाला के समापन समारोह की झलकियाँ, इनफ्लिबनेट केंद्र

समापन समारोह में, सुश्री हेमा चोलिन, वैज्ञानिक–बी (एल.एस) ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिनिधियों का स्वागत किया। माननीय मुख्य अतिथि, प्रोफेसर मनीष जोशी, सचिव, यूजीसी, नई दिल्ली ने सभा को संबोधित किया। माननीय निदेशक, प्रोफेसर देविका पी माडल्ली ने समापन समारोह की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि, प्रोफेसर सी.आर. करिसिदप्पा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, डी.एल.आई.एस.सी, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ ने प्रतिनिधियों के साथ अपने व्यापक शोध अनुभव को साझा किया। कुछ प्रतिभागियों ने अपने विचार व्यक्त किए और सभी सैद्धांतिक और व्यावहारिक सत्रों की सराहना की। कार्यशाला ने प्रतिभागियों को समकालीन शोध प्रथाओं की अपनी समझ बढ़ाने और अपने शोध प्रोफाइल को प्रदर्शित करने के लिए डिजिटल टूल और प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान किया। समारोह का समापन सुश्री अमृता देवी, वैज्ञानिक–बी (एलएस), इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इनफ्लिबनेट लर्निंग मैनेजमेंट सर्विस (ILMS) पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

इनफ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान आई.एल.एम.एस. पर निम्नलिखित ०१ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

विश्वविद्यालय का नाम	प्रशिक्षण की तिथि	विशेषज्ञों	प्रतिभागियों की संख्या
संस्कृति विश्वविद्यालय, मथुरा, उत्तर प्रदेश	२०–०२–२०२४	डॉ अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस) और श्री बृजेश के. इनफ्लिबनेट केंद्र	४००

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अनुरोध पर, राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान (एन.आई.एस.डी) के ट्रांसजेंडर एवं भिक्षावृत्ति प्रभाग, रिपोर्ट अवधि के दौरान जिला मजिस्ट्रेट/कलेक्टर और संबंधित अधिकारियों के लिए ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल पर ०३ प्रशिक्षण कार्यक्रम इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा आयोजित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उद्देश्य जिला अधिकारियों को पोर्टल के कामकाज के बारे में जागरूक करना और ट्रांसजेंडर प्रमाणपत्र और आईडी कार्ड जारी करने से संबंधित उनकी शंकाओं और तकनीकी मुद्दों को स्पष्ट करना था।

क्रम	विश्वविद्यालय का नाम	प्रशिक्षण की तिथि
१	महाराष्ट्र	१७–०१–२०२४
२	आसाम	१८–०१–२०२४
३	दमन और दीव	१९–०१–२०२४

शोध शुद्धि (पीडीएस) पर क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमं

शोध शुद्धि/साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (पीडीएस) पर उत्तरी क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम ड्रिलबिट, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, १५ फरवरी २०२४

दिल्ली विश्वविद्यालय पुस्तकालय प्रणाली द्वारा इनफ्लिबनेट केंद्र, बलानी इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा और ड्रिलबिट, बेंगलुरु के सहयोग से आयोजित पी.डी.एस पर उत्तरी क्षेत्रीय छठा प्रशिक्षण १५ फरवरी २०२४ को दिल्ली विश्वविद्यालय के उत्तरी परिसर के सम्मेलन केंद्र में हुआ। कार्यक्रम में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश सहित उत्तरी राज्यों के विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ राजेश सिंह ने स्वागत भाषण दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय में कॉलेजों के डीन प्रोफेसर बलराम पाणि मुख्य अतिथि थे। इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर के वैज्ञानिक–एफ (सी.एस) श्री मनोज कुमार के. ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान, बलानी इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री कैलाश बलानी और ड्रिलबिट सॉफ्टटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलुरु के सी.ई.ओ. श्री जयन्ना बेलवाडी ने ड्रिलबिट एक्सट्रीम प्लेगियरिज्म सॉफ्टवेयर पर विस्तृत चर्चा और प्रदर्शन किया। समापन सत्र में, प्रोफेसर बलराम

पाणि ने पीडीएस की उपयोगिता पर चर्चा की और डॉ राजेश सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ धन्यवाद ज्ञापन में आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और २०० प्रतिभागियों (लगभग) को प्रमाणपत्र वितरित किए गए।

शोधशुद्धि/साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (पीडीएस) ड्रिलबिट, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पर उत्तरी क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी

ORCID आउटरीच कार्यक्रम (ORCID वैश्विक भागीदारी निधि)

पिछले जुलाई २०२३ में प्रदान की गई ORCID वैश्विक भागीदारी निधि के हिस्से के रूप में, इनफ्लिबनेट केंद्र ने तालिका में सूचीबद्ध रिपोर्टेड अवधि के दौरान देश भर में क्षेत्रवार चयनित एच.ई.आई. में ORCID और विद्वान समुदायों के लिए इनफ्लिबनेट सेवाओं पर ०५ एक दिवसीय उपयोगकर्ता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारतीय शोधकर्ताओं और शिक्षाविदों के बीच अकादमिक पहचान, यानी ORCID के उपयोग के बारे में जागरूकता पैदा करना और उनके बीच इनफ्लिबनेट केंद्र की विभिन्न सेवाओं और गतिविधियों, विशेष रूप से आई. आर.आइ.एन.एस और शोध–चक्र आदि के बारे में अधिक जागरूकता लाना है। प्रत्येक एक दिवसीय कार्यक्रम के दौरान चार सत्र दिए जा रहे थेः ORCID और शैक्षणिक पहचान, भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (IRINS), शोध–चक्रः संसाधनों के लिए शोधकर्ताओं के लिए एक प्रवेश द्वार.

क्रम	कार्यक्रम दिनांक	मेजबान विश्वविद्यालय/संस्था	संसाधन व्यक्ति	कुल प्रतिभागी
१	११वीं जनवरी, २०२४	अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु	डॉ. कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस), और श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)	११६
२	१६वीं जनवरी, २०२४	भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र	डॉ कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस), और श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)	८२
३	२२वीं जनवरी, २०२४	मौलाना मजहरुल हक अरबी और फारसी विश्वविद्यालय, पटना, बिहार	डॉ. कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एलएस), और डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)	१०५
४	२७वीं फरवरी, २०२४	सी. वी. रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी (सीजीयू), भुवनेश्वर, ओडिशा	डॉ. कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एलएस), और श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एलएस)	१२२
५	२८ वीं फरवरी, २०२४	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आई.आई.टी.एच), कंडी, तेलंगाना	डॉ. कन्नन पी, वैज्ञानिक–ई (एल.एस), और और श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)	८५

डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड (डेटासाइट-जी.ए.एफ)

इनफ्लिबनेट केंद्र को आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करने के लिए दिसंबर २०२३ में डेटासाइट ग्लोबल एक्सेस फंड्स (डेटासाइट– जी.ए.एफ) से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार इनफ्लिबनेट केंद्र की संगठनात्मक विशेषज्ञता और अनुसंधान डेटा प्रबंधन प्रथाओं को आगे बढ़ाने और खुले विज्ञान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आउटरीच कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, प्रशिक्षण प्रदान करना और विभिन्न शैक्षणिक विषयों में शोधकर्ताओं, संस्थानों और हितधारकों के बीच ओपन साइंस को अपनाने की भावना पैदा करना है। इस पहल के माध्यम से, केंद्र डेटा खोज, पहुंच और अंतर–संचालन को बढ़ाने के लिए अनुसंधान समुदाय के साथ मिलकर काम करेगा, जिससे अधिक कुशल और प्रभावशाली अनुसंधान परिणामों की सुविधा होगी। परियोजना का उद्देश्य इनफ्लिबनेट केंद्र में छह वेबिनार, छह ऑनसाइट क्षेत्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम और एक प्रशिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना है। रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, पहला वेबिनार, "ओपन रिसर्च डेटा मैनेजमेंट की क्षमता को उजागर करना" २२ मार्च २०२४ को आयोजित किया गया था, और इसमें लगभग १२५ प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया था।

She Research Network in India

Sheroes of Research, Novation, and Intelligence

SheRNI

Launching of "SheRNI: शी रिसर्च नेटवर्क इन इंडिया" पोर्टल का शुभारंभ

माननीय निदेशक, इनफ्लिबनेट केंद्र ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस २०२४ के अवसर पर 'शेर्नी: शी रिसर्च नेटवर्क इन इंडिया' का शुभारंभ किया। यह पहल भारत में अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं और उनकी विशेषज्ञता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उल्लेखनीय रूप से, "शेर्नी/SheRNI" नाम निदेशक द्वारा स्वयं ही सरलता से गढ़ा गया था, जो उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और अनुसंधान और शिक्षा में महिलाओं के योगदान का जश्न मनाने और उसे बढ़ावा देने वाले मंच के निर्माण की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शी रिसर्च नेटवर्क इन इंडिया ("शेर्नी/SheRNI") एक विशेषज्ञ प्रोफ़ाइल नेटवर्क सिस्टम है जो भारत में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता को जोड़ता है और उनका लाभ उठाता है। यह सिस्टम सहयोग, सलाह और ज्ञान साझा करने के अवसर प्रदान करके महिलाओं को सशक्त बनाता है। इस परियोजना का उद्देश्य महिला संकाय सदस्यों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की विशेषज्ञ प्रोफ़ाइल प्रणाली बनाना और विविध क्षेत्रों में महिला विशेषज्ञों के बीच विशेषज्ञता, अंतर्दृष्टि और अनुभवों के आदान–प्रदान की सुविधा प्रदान करना है।

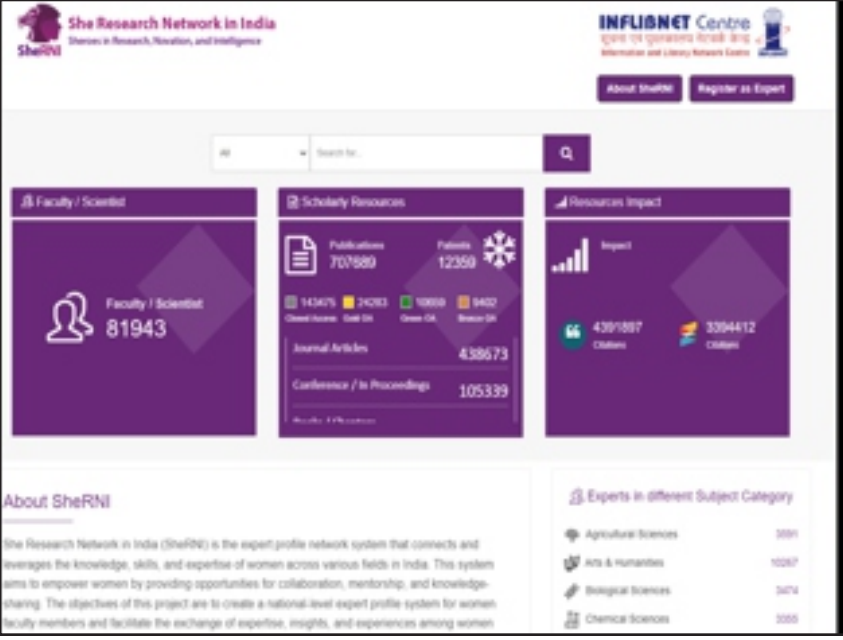

इनफ्लिबनेट केंद्र के माननीय निदेशक ने इनफ्लिबनेट केंद्र के कर्मचारियों को संबोधित किया और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस २०२४ पर "शेर्नी/SheRNI": शी रिसर्च नेटवर्क इन इंडिया"' का शुभारंभ किया

भारत में शी रिसर्च नेटवर्क (SheRNI) की मुख्य विशेषताएँ

रिसर्च नेटवर्क सिस्टम: यह प्लेटफ़ॉर्म महिला संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों को विद्वानों की संचार गतिविधियों को एकत्रित करने, संचालन करने और प्रदर्शित करने की सुविधा प्रदान करता है और भारत में महिलाओं का एक विद्वान नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करता है।

दृश्यता और नेटवर्किंग का अवसर: यह प्लेटफ़ॉर्म महिला शोधकर्ताओं और महिला अध्ययन में रुचि रखने वाले चिकित्सकों के लिए नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करता है। उपयोगकर्ता साथियों से जुड़ सकते हैं, चर्चा मंचों में शामिल हो सकते हैं और शोध परियोजनाओं पर सहयोग कर सकते हैं, अंत:विषय संवाद और साझेदारी को बढ़ावा दे सकते हैं।

वित्तपोषण और अनुदान: महिलाओं के मुद्दों पर शोध पहलों का समर्थन करने के लिए, प्लेटफ़ॉर्म शोधकर्ताओं और संगठनों के लिए उपलब्ध वित्त पोषण के अवसरों, अनुदानों और छात्रवृत्तियों के बारे में जानकारी प्रदान करता है। यह लिंग–संवेदनशील शोध करने के लिए संसाधनों तक समान पहुँच सुनिश्चित करता है।

कार्यक्रम और कार्यशाला: SheRNI महिला अध्ययन से संबंधित सम्मेलनों, सेमिनारों, कार्यशालाओं और अन्य कार्यक्रमों की जानकारी के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। उपयोगकर्ता आगामी कार्यक्रमों पर अपडेट रह सकते हैं, प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकते हैं और अपने ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए चर्चाओं में भाग ले सकते हैं।

उत्कृष्टता की मान्यता: प्रत्येक महीने, SheRNI प्लेटफ़ॉर्म एक उल्लेखनीय महिला पेशेवर का चयन करेगा और उसे प्रदर्शित करेगा जिसने अपने संबंधित क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार और नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। यह सुविधा उन महिलाओं की उपलब्धियों को पहचानने और उनका जश्न मनाने के लिए एक मंच प्रदान करती है जो अनुसंधान, शिक्षा और समाज में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

प्रेरणादायक कहानियाँ: SheRNI पर "महिलाओं की महीने की" विशेषता चयनित महिला पेशेवरों की प्रेरणादायक कहानियाँ और प्रोफ़ाइल प्रस्तुत करती है, जो उनकी शैक्षणिक यात्रा, शोध उपलब्धियों, कैरियर की उपलब्धियों और उनके समुदायों पर पड़ने वाले प्रभाव को उजागर करती है। ये कहानियाँ अन्य महिला पेशेवरों के लिए प्रेरणा और सशक्तिकरण के स्रोत के रूप में काम करती हैं, जो उन्हें अपने लक्ष्यों और आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।

सामुदायिक सहभागिता: SheRNI महिला नेताओं और परिवर्तनकर्ताओं की सफलता की कहानियों, केस स्टडीज़ और प्रशंसापत्रों को प्रस्तुत करके सामुदायिक सहभागिता और सक्रियता को प्रोत्साहित करता है। महिलाएँ अपनी कहानियों और अनुभवों का योगदान दे सकती हैं, दूसरों को प्रेरित कर सकती हैं और विविध आवाज़ों को बढ़ावा दे सकती हैं।

महिला शोध नेटवर्क पोर्टल के शुभारंभ के साथ–साथ जागरूकता बढ़ाने वाली गतिविधियों और सोशल मीडिया अभियानों की एक श्रृंखला भी आयोजित की गई, ताकि इस मंच को बढ़ावा दिया जा सके और विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जा सके। शोध समुदाय की प्रतिक्रिया अत्यधिक सकारात्मक रही है, जो महिला सशक्तिकरण पर केंद्रित समावेशी शोध स्थानों और संसाधनों की बढ़ती मांग को दर्शाती है।

SheRNI के माध्यम से भारत में महिलाओं को न केवल अपने–अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अधिकार दिया जाता है, बल्कि वे सामूहिक रूप से अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाती हैं, जिससे राष्ट्र की समग्र प्रगति और विकास में योगदान मिलता है।

इनफ्लिबनेट परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति

शोध–चक्र: शोधकर्ताओं के लिए संसाधनों का प्रवेश द्वार

शोध–चक्र, यूजीसी के मार्गदर्शन में इनफ्लिबनेट केंद्र की एक पहल है, जिसका उद्देश्य अकादमिक समुदाय को उनके शोध जीवन चक्र के दौरान मदद करना है। शोध–चक्र, शोधकर्ता, मार्गदर्शक/पर्यवेक्षक और विश्वविद्यालय को शोध विद्वान के शोध जीवन चक्र का प्रबंधन करने के लिए एक अनूठा स्थान प्रदान करता है। पोर्टल लाखों संसाधनों (पूर्ण–पाठ शोध प्रबंध सहित) और शोधकर्ता के लिए सहायक उपकरणों के साथ एकीकृत है, जिनकी शोध कार्य के दौरान आवश्यकता होती है। कुल ११६ विश्वविद्यालयों ने शोध–चक्र का उपयोग करने के लिए इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें १५ विश्वविद्यालय शामिल हैं जिन्होंने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। १५ विश्वविद्यालयों का विवरण नीचे दिया गया है::

क्रम	संस्थानों/विश्वविद्यालयों का नाम	शहर	राज्य	विश्वविद्यालय द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि	इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि
१	विश्वभारती विश्वविद्यालय	शांति निकेतन	पश्चिम बंगाल	०७–११–२०२३	०८–०१–२०२४
२	दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय	गोरखपुर	उत्तर प्रदेश	१४–१२–२०२३	०८–०१–२०२४
३	कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय	बेंगलुरु	कर्नाटक	०७–११–२०२३	०८–०१–२०२४
४	कपास विश्वविद्यालय	गुवाहाटी	आसाम	११–०१–२०२४	०५–०२–२०२४

५	एमआईटी कला, डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय	पुणे	महाराष्ट्र	०८–०१–२०२४	०५–०२–२०२४
६	ऋषिहुड विश्वविद्यालय	सोनीपत	हरियाणा	०१–०२–२०२४	१३–०२–२०२४
७	महिला क्रिश्चियन कॉलेज	चेन्नई	तमिलनाडु	०५–०२–२०२४	०५–०२–२०२४
८	करमवीर शांतारामबापु कोंडाजी वावरे कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालय	नासिक	महाराष्ट्र	२७–०१–२०२४	१३–०२–२०२४
९	हिमाचल प्रदेश राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय	शिमला	हिमाचल प्रदेश	२४–०८–२०२३	१३–०२–२०२४
१०	ऑल इंडिया शिवाजी मेमोरियल सोसाइटी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	पुणे	महाराष्ट्र	१४–०२–२०२४	१४–०२–२०२४
११	तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी	मुरादाबाद	उत्तर प्रदेश	१५–०१–२०२४	०८–०२–२०२४
१२	गौहाटी विश्वविद्यालय	गुवाहाटी	आसाम	०६–०३–२०२४	१३–०३–२०२४
१३	उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय, सैफई	इटावा	उत्तर प्रदेश	२८–०२–२०२४	२८–०२–२०२४
१४	के. आर. मंगलम विश्वविद्यालय	गुरूग्राम	हरियाणा	०२–०२–२०२४	११–०३–२०२४
१५	मुंबई विश्वविद्यालय	मुंबई	महाराष्ट्र	२७–०२–२०२४	०४–०३–२०२४

अंतर्राष्ट्रीय मानक पुस्तक संख्या (आई.एस.बी.एन)

उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय द्वारा अनुमोदित, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर को आई.एस.बी.एन पोर्टल के तकनीकी रखरखाव के साथ–साथ पंजीकरण, आवेदन और आईएसबीएन के आवंटन सहित अपनी दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों के प्रबंधन और निष्पादन का कार्य दिया गया है। रिपोर्ट की गई अवधि (०१ जनवरी से ३१ मार्च २०२४) के दौरान, आई.एस.बी.एन पोर्टल पर ३,३४१ हितधारकों ने पंजीकरण कराया, जहां ८,५६४ आवेदन प्राप्त हुए और हितधारकों/प्रकाशकों को १,२२,२६२ आई.एस.बी.एन आवंटित किए गए।

VIDWAN@विद्वान और भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई.आर.आई.एन.एस)

VIDWAN डेटाबेस में रिपोर्ट की गई अवधि तक १६,५०६ शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत २,३७,६४६ से अधिक संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों की विस्तृत प्रोफ़ाइल शामिल हैं। आई.आर.आई.एन.एस एक वेब–आधारित अनुसंधान सूचना प्रबंधन (आर.आई.एम) सेवा है जो भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को आई. इनफ्लिबनेट केंद्र द्वारा प्रदान की जाती है। आई.आर.आई.एन.एस शैक्षणिक, अनुसंधान एवं विकास संगठनों, संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों को विद्वानों की संचार गतिविधियों को एकत्र करने, संचालन करने और प्रदर्शित करने की सुविधा प्रदान करता है और एक विद्वान नेटवर्क बनाने का अवसर प्रदान करता है। इनफ्लिबनेट केंद्र ने रिपोर्ट की गई अवधि तक संस्थानों के लिए १,१४८ आई.आर.आई.एन.एस उदाहरण बनाए हैं, जिनमें रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान बनाए गए ६६ आई.आर.आई.एन.एस उदाहरण शामिल हैं। आई.आर.आई.एन.एस ने इस परियोजना के माध्यम से १८२,६६१ संकाय सदस्यों को जोड़ा है। रिपोर्ट अवधि तक परियोजना ने विभिन्न स्रोतों से २५.२२ लाख से अधिक (२५,२२,११७) प्रकाशन मेटाडेटा प्राप्त किए, २२६ लाख से अधिक (२,२६,७७,५३६) उद्धरण प्राप्त किए, तथा ६१.७ लाख से अधिक (६१,७४,१३६) ऑल्टमेट्रिक्स उल्लेख प्राप्त किए।

ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल (टी.जी. पोर्टल)

भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन के तहत, इनफ्लिबनेट केंद्र ने 'ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय पोर्टल' विकसित किया है। यह पोर्टल किसी ट्रांसजेंडर व्यक्ति को किसी भी कार्यालय में जाए बिना देश में कहीं से भी प्रमाण पत्र और पहचान पत्र के लिए डिजिटल रूप से आवेदन करने में सक्षम बनाता है। केंद्र ने समझौता ज्ञापन के अनुसार सेवाएँ जारी रखी हैं। नीचे दी गई तालिका रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान प्राप्त आवेदनों की संख्या, जारी किए गए प्रमाण पत्र और पहचान पत्र आदि के बारे में आँकड़े दिखाती है।

आवेदन (स्थिति के अनुसार)	प्राप्त आवेदनों की संख्या	पात्र न पाए गए आवेदनों की संख्या	जारी किए गए प्रमाणपत्रों की संख्या	जारी किए गए पहचान पत्रों की संख्या
अवधि:जनवरी से मार्च २०२४	२६९१	२०९	११६०	११६७

शोधगंगा: भारतीय शोध प्रबंधों का भण्डार

२०२४ की पहली तिमाही शोधगंगा के लिए एक उल्लेखनीय अवधि के रूप में चिह्नित है, और पीएचडी शोध प्रबंध में वृद्धि आईआईटी/आईआईएम/एनआईटी आदि जैसे सबसे नवीनीकृत राष्ट्रीय संस्थानों से इसकी वृद्धि को चिह्नित करती है। भारतीय विश्वविद्यालयों में पूर्ण–पाठ थीसिस का भंडार, शोधगंगा, उत्तरोत्तर विकसित हुआ है, रिपोर्ट के तहत अवधि यानी जनवरी–मार्च २०२४ के दौरान कुल १६,४२७ शोध प्रबंध अपलोड किए गए हैं।

इस प्रकार, ३१ मार्च २०२४ तक, कुल ८८६ (७८० विश्वविद्यालय + १०६ सीएफटीआई / आईएनआई) ने रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान २१ एमओयू (२० विश्वविद्यालय + ०१ सीएफटीआई / आईएनआई) सहित इनफ्लिबनेट केंद्र के साथ शोधगंगा पर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे शोधगंगा में पूर्ण–पाठ शोध प्रबंध की संख्या में वृद्धि हुई है। इस प्रकार, रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान भंडार/ संग्रह उत्तरोत्तर विकसित हुआ है।

शोधगंगा संग्रह में जमा किए गए शोध प्रबंधों की कुल संख्या ७६५ योगदान देने वाले विश्वविद्यालयों के योगदान से बढ़कर ५,२५,२६३+ हो गई है।

तिमाही–Q1 (जनवरी–मार्च २०२४) में अपलोड किए गए कुल शोध प्रबंध (चित्र–१) १६,४२७ हैं।

चित्र १: शोधगंगा पर अपलोड किए गए शोध प्रबंध

शोधगंगोत्री

आयुष मंत्रालय के अनुरोध के आधार पर शोधगंगोत्री अब पीजी शोध प्रबंधों के लिए भी खुला है। वर्तमान में, रिपॉजिटरी/संग्रह में १२४ विश्वविद्यालयों द्वारा योगदान किए गए १३,६५७ सिनॉप्स/एसएचपी/पीडीएफ/फेलोशिप/पीजी शोध प्रबंध हैं। रिपोर्ट की गई अवधि के दौरान, ४३३ सिनॉप्स/एसएचपी/पीडीएफ/फेलोशिप/पीजी शोध प्रबंध जोड़े गए।

शोध शुद्धि और साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाला सॉफ्टवेयर (पीडीएस)

शिक्षा मंत्रालय अपनी पहल शोध शुद्धि के माध्यम से केंद्रीय, राज्य, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालयों सहित सभी विश्वविद्यालयों के साथ–साथ भारत में केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थानों/राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों (सीएफटीआई/आईएनआई) को साहित्यिक चोरी का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर (पीडीएस) तक पहुंच प्रदान करता है, ताकि शैक्षणिक संस्थानों में शैक्षणिक अखंडता को बढ़ाया जा सके और साहित्यिक चोरी पर अंकुश लगाया जा सके। यह ०१ सितंबर २०१६ से लागू होगा। अक्टूबर २०२३ में, एक नया पीडीएस सॉफ्टवेयर (यानी, ड्रिलबिट एक्सट्रीम) खरीदा गया और ११०० से अधिक उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रदान किया गया।

३१ मार्च २०२४ तक, ११३७ (७६६ सक्रिय) विश्वविद्यालयों/संस्थानों से समानता/साहित्यिक चोरी की जाँच के लिए कुल ४१,८८,२१८ दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए हैं। परियोजना शोधशुद्धि में प्रत्येक वर्ष १० लाख दस्तावेज़ों का उपयोग करने की परिकल्पना की गई थी, और अब ३१ मार्च २०२४ के अंत तक ४१.८८ लाख दस्तावेज़ प्रस्तुत किए गए हैं। कुल १,७२,७५५ उपयोगकर्ता नए पीडीएस सॉफ़्टवेयर में माइग्रेट हुए हैं।

रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान पीडीएस के उपयोग के आँकड़े

रिपोर्ट के तहत अवधि के दौरान पीडीएस को प्रस्तुत किए गए कुल दस्तावेज़ ३,४६,६३१ हैं। चित्र २ पिछले तीन महीनों (जनवरी = ११३२६७, फरवरी = ११६०७०, और मार्च = ११७२६४) में प्रस्तुतियों की औसत संख्या दर्शाता है; औसत १,१६,५४३ था। चित्र–३ में महीने–वार उपयोगकर्ताओं की संख्या में वृद्धि दिखाई गई है। रिपोर्ट के अनुसार पीडीएस में इस अवधि के दौरान कुल १६,५३६ नए उपयोगकर्ता जुड़े।

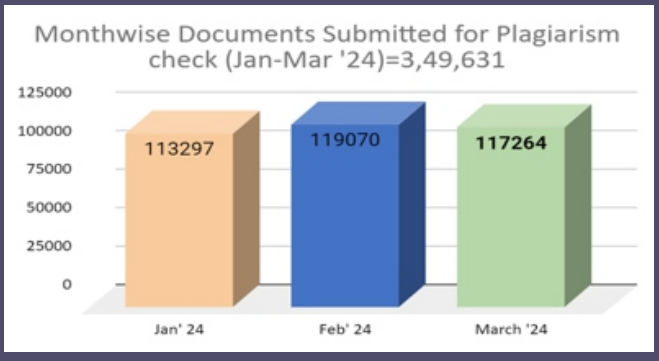

चित्र–२: पीडीएस में माहवार प्रस्तुतियों की संख्या (जनवरी–मार्च २०२४)

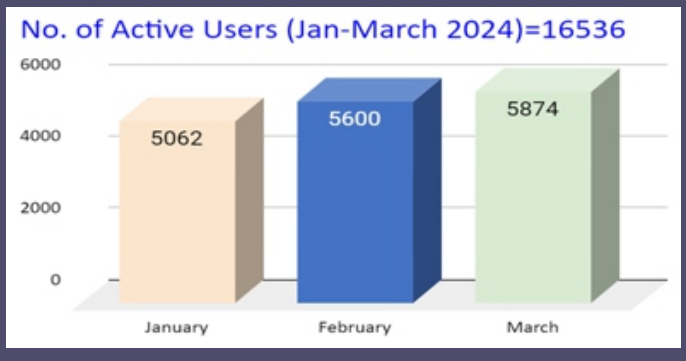

चित्र–३: अवधि के दौरान सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या

अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम और गतिविधियाँ

खेल सप्ताह के अवसर पर खेल कार्यक्रम

इनफ्लिबनेट केंद्र ने १७ से २४ जनवरी २०२४ तक इनफ्लिबनेट केंद्र के कर्मचारियों के लिए मनोरंजन क्लब, इनफ्लिबनेट केंद्र, गांधीनगर में खेल सप्ताह मनाया। शतरंज, कैरम, बैडमिंटन, बॉक्स क्रिकेट, रस्साकशी, स्प्रिंट, पिट्ठू और टारगेट शूटिंग खेलों का आयोजन किया गया और इनफ्लिबनेट कर्मचारियों ने खेल सप्ताह/खेल के नियमों के अनुसार टीम या एकल में खेल सप्ताह में भाग लिया। विजेताओं की घोषणा की गई और उन्हें ७५वें गणतंत्र दिवस, २६ जनवरी २०२४ को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को भागीदारी के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

गणतंत्र दिवस समारोह

इनफ्लिबनेट केंद्र ने २६ जनवरी २०२४ को गांधीनगर स्थित अपने परिसर में ७५वां गणतंत्र दिवस मनाया। इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका मदल्ली ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने इस अवसर पर कर्मचारियों और उनके परिवारों को केंद्र की गतिविधियों के बारे में बताया।

२६ जनवरी २०२४ को इनफ्लिबनेट केंद्र में ७५वां गणतंत्र दिवस समारोह मनाया जाएगा

बसंत पंचमी

केंद्र के परिसर में १४ फरवरी २०२४ को बसंत पंचमी मनाई गई। इस समारोह की शुरुआत इनफ्लिबनेट केंद्र की निदेशक प्रोफेसर देविका माडल्ली और सभी कर्मचारियों द्वारा सरस्वती पूजा और आराधना के साथ हुई।

इनफ्लिबनेट केंद्र में बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह २०२४

इनफ्लिबनेट केंद्र ने ७ मार्च २०२४ को उत्साहपूर्वक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस २०२४ मनाया। माननीय निदेशक, प्रो. देविका माडल्ली ने पारंपरिक दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जिसके बाद महिला कर्मचारियों ने सरस्वती वंदना का भावपूर्ण गायन किया, जिससे उत्सव की एक आशाजनक शुरुआत हुई।

महिला दिवस समारोह के एक हिस्से के रूप में, निदेशक ने भारत में महिलाओं को समर्पित एक मंच 'शेर्नीः शी रिसर्च नेटवर्क' लॉन्च किया। अपने संबोधन में, निदेशक ने समाज में महिलाओं के अपार योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने पेशेवर सेटिंग में लैंगिक समानता के महत्व पर जोर दिया, पुरुषों और महिलाओं को समान और सहकर्मी के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि 'शेर्नी' का शुभारंभ भारत में अनुसंधान और नवाचार की उन्नति के लिए महिलाओं और उनकी विशेषज्ञता को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके अलावा, उन्होंने शोध परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव के रूप में इसे देखते हुए, 'शेर्नी' की सफलता के लिए अपना दृष्टिकोण साझा किया। श्री पी कन्नन, वैज्ञानिक–ई (एल.एस) ने 'शेर्नी' मंच की विशेषताओं पर प्रकाश डाला।

समारोह में आकर्षक नृत्य प्रदर्शन और मार्मिक कविता पाठ के माध्यम से महिला कर्मचारियों की प्रतिभा का भी प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों की बेटियों ने भी भाग लिया, जिससे कार्यक्रम की जीवंतता बढ़ गई। कार्यक्रम का समापन सभी उपस्थित महिलाओं द्वारा एक सुंदर रैंप वॉक के साथ हुआ। बच्चों की उपस्थिति को स्वीकार करने के लिए, निदेशक द्वारा उन्हें प्रशंसा के प्रतीक प्रदान किए गए।

७ मार्च २०२४ को इनफ्लिबनेट केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस २०२४ समारोह

डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एल.एस) ने अन्य समिति सदस्यों के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया। केंद्र के सभागार में आयोजित समारोह में लगभग १६५ कर्मचारी शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन एक सुखद माहौल में हुआ, जिसके बाद सभी कर्मचारियों के लिए हाई टी का आयोजन किया गया।

होलिका दहन और होली उत्सव

इनफ्लिबनेट परिवार ने २४ और २५ मार्च २०२४ को होलिका दहन और रंगों के त्योहार होली का जश्न खुशी, हंसी और एकता के रंगों के साथ मनाया।

२४ और २५ अप्रैल २०२४ को इनफ्लिबनेट केंद्र में होलिका दहन और होली उत्सव

कर्मचारी समाचार

श्री मनोज कुमार के., वैज्ञानिक–एफ (सी.एस)

श्री मनोज कुमार के., को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था:

- १५ से १७ मार्च २०२४ तक केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.वाई.एन) के सहयोग से अहमदाबाद के लकुलिश योग विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'संज्ञानात्मक तंत्रिका विज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य के योगिक परिप्रेक्ष्य' पर पहले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अनुसंधान अखंडता पर एक आमंत्रित वक्ता के रूप में एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- ०६ मार्च २०२४ को कालीकट विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी) द्वारा आयोजित त्रैमासिक सेमिनार श्रृंखला 'अनुसंधान और प्रसार पर संकाय को सशक्त बनाना' के भाग के रूप में 'रैंकिंग संस्थानों: प्रकाशनों की भूमिका' पर अतिथि के रूप में एक सत्र दिया।
- ०६ मार्च २०२४ को फारूक कॉलेज में 'शोध प्रकाशन के लिए आगे बढ़ना': सफलता के लिए रणनीतियाँ' पर एक आमंत्रित संसाधन व्यक्ति के रूप में एक व्याख्यान दिया।
- १६ फरवरी २०२४ को स्वामी विवेकानंद लाइब्रेरी एंड रिसोर्स सेंटर, आई.क्यू.ए.सी, मानव रचना विश्वविद्यालय (एस.एच.यू), फरीदाबाद में 'शोध लेखन में शोध नैतिकता और शैक्षणिक अखंडता' पर आमंत्रित संसाधन व्यक्ति/अतिथि व्याख्याता के रूप में व्याख्यान दिया।

डॉ. अभिषेक कुमार, वैज्ञानिक–ई (सी.एस)

डॉ. अभिषेक कुमार को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था:

- प्रशिक्षण कार्यक्रम – 'वास्तुविद' के दौरान सैनिक स्कूल सोसायटी के लिए 03 फरवरी 2024 को आयोजित "ई–क्लासरूम को इंटरैक्टिव बनाना" विषय पर ऑनलाइन व्याख्यान, जिसका आयोजन केंद्र ऑफ ट्रेनिंग (सीओटी), आईआईटीई, गांधीनगर द्वारा किया गया।
- १४ मार्च २०२४ को राजर्षि जनक केंद्रीय पुस्तकालय, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया में "विकसित भारत / २०४७: पुस्तकालय की भूमिका" विषय पर मुख्य (ऑनलाइन) व्याख्यान दिया।
- ०७ मार्च २०२४ को गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी" विषय पर एनईपी–उन्मुखीकरण और संवेदीकरण कार्यक्रम में शिक्षा में आईसीटी की आधुनिक तकनीकों पर ऑनलाइन व्याख्यान।

डॉ. कृति त्रिवेदी, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)

- डॉ. कृति त्रिवेदी ने १७ जनवरी २०२४ को तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद द्वारा आयोजित "बिब्लियोमेट्रिक संकेतकों का उपयोग करके विश्वविद्यालय के शोध प्रदर्शन का आकलन और मूल्यांकन" विषय पर लेखक की वार्ता श्रृंखला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

श्री दिनेश रंजन प्रधान, वैज्ञानिक–डी (एल.एस)

श्री प्रधान ने ०३ जनवरी २०२४ को भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान (आईआईटीई), गांधीनगर में पीएचडी पाठ्यक्रम कार्य के दौरान "ओपन एक्सेस प्रकाशन और पहल" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. मितेशकुमार पंड्या, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)

डॉ. मितेशकुमार पंड्या को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया था:

⏭ ०३ फरवरी २०२४ को निरमा विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी संस्थान के इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित संदर्भ प्रबंधन उपकरणों पर कार्यशाला के दौरान संदर्भ प्रबंधन उपकरणों का उपयोग करके संदर्भ का प्रबंधनः ज़ोटेरो और मेंडेली।

⏭ २४ फरवरी २०२४ को कल्याणी विश्वविद्यालय के सूचना संसाधन प्रबंधन केंद्र द्वारा आयोजित अकादमिक अनुसंधान के लिए एआई उपकरणों पर एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम के दौरान एआई उपकरणों का उपयोग करके अकादमिक लेखन का विकसित परिदृश्य।

श्री हितेशकुमार सोलंकी, वैज्ञानिक–सी (सी.एस)

श्री हितेशकुमार सोलंकी को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया थाः

⏭ ५ फरवरी २०२४ को तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित लेखक वार्ता श्रृंखला के दौरान, अनुसंधान में सांख्यिकीय उपकरणों का अनुप्रयोग।

⏭ २० फरवरी २०२४ को राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर के स्कूल ऑफ डॉक्टरल स्टडीज एंड रिसर्च द्वारा आयोजित पीएचडी कोर्स वर्क के दौरान डेटाबेस और रिसर्च मेट्रिक्स।

श्री पल्लब प्रधान, वैज्ञानिक–सी (एल.एस)

श्री पल्लब प्रधान को नीचे उल्लिखित आमंत्रित वार्ता/व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया थाः

⏭ १७ मार्च २०२४ को महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नागपुर में बैच २०२३–२४ के पीएचडी पाठ्यक्रम में अनुसंधान के लिए इनफ्लिबनेट संसाधनों के उपयोग पर इनफ्लिबनेट सेवाओं और गतिविधियों, शोध–चक्र और आईआरआईएनएस पर ऑनलाइन व्याख्यान दिए।

⏭ १२ मार्च २०२४ से ०८ अप्रैल २०२४ तक एच.आर.डी.सी संबलपुर विश्वविद्यालय, संबलपुर, ओडिशा में ऑनलाइन ७वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम के दौरान २३ मार्च २०२४ को अनुसंधान मैट्रिक्स और नैतिक अनुसंधान प्रथाओं और शिकारी प्रकाशन से बचने पर आमंत्रित संसाधन व्यक्ति के रूप में सत्र दिए।

नई नियुक्ति

श्री रोहिल मंगल चौधरी

श्री रोहिल मंगल चौधरी ११ मार्च २०२४ को क्लर्क–कम–टाइपिस्ट के रूप में इनफ्लिबनेट केंद्र में शामिल हुए। उन्होंने २०२१ में गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में बी.ई. पूरा किया है। केंद्र में शामिल होने से पहले, वे २०२२–२०२३ में परमाणु ऊर्जा विभाग, IREL, ओडिशा में स्नातक प्रशिक्षु थे।

उपयोगकर्ताओं की राय

शोधशुद्धि के लिए

शोधशुद्धि शोधकर्ताओं और संस्थानों दोनों के भविष्य के लिए एक बहुत ही उपयोगी भंडार है। हम इस तरह के एक अच्छे मंच प्रदान करने के लिए सहायता टीम के प्रति बहुत आभारी हैं।
(मंगलायतन विश्वविद्यालय जबलपुर)

शोधगंगा के लिए

मैं शोधगंगा संग्रह में प्रकाशन के लिए अपने शोध प्रबंध रिपोर्ट को प्रस्तुत करने की प्रक्रिया के बारे में पूछताछ करने के लिए लिख रहा हूँ। मैं समझता हूँ कि शोधगंगा मेरे जैसे विद्वानों के लिए हमारे शोध को व्यापक दर्शकों तक पहुँचाने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करता है।
(शोध विद्वान)

चूँकि शोधगंगा मेरे जैसे शोधकर्ताओं के लिए एक आवश्यक संसाधन है, इसलिए मैं इस मामले को तुरंत हल करने के लिए आपके द्वारा प्रदान की जाने वाली किसी भी सहायता या मार्गदर्शन की बहुत सराहना करूँगा।
(शोध विद्वान)

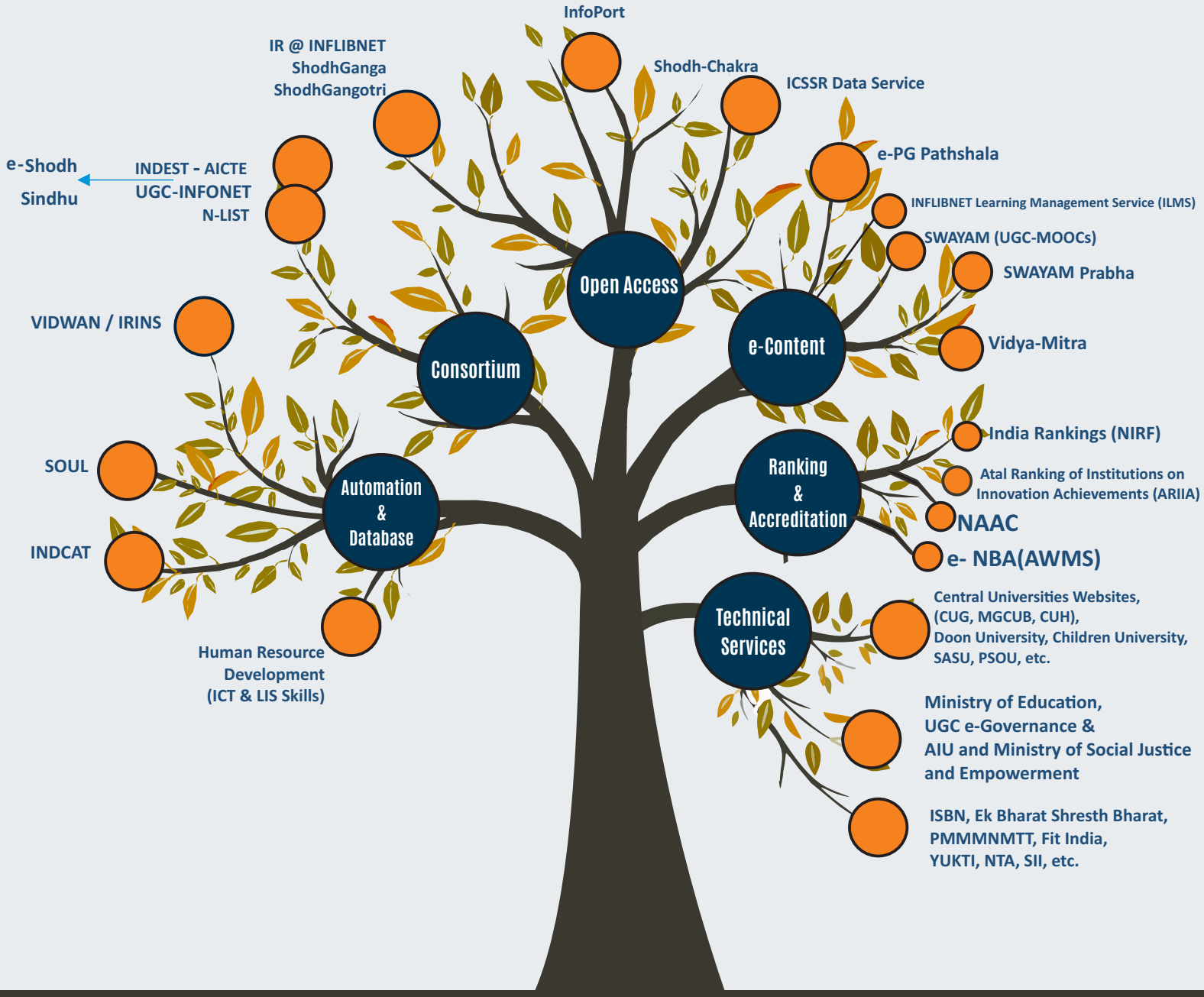

Information and Library Network Centre

(An Autonomous Inter-University Centre of UGC)

Infocity, Gandhinagar - 382007, Gujarat, India

Email: director@inflibnet.ac.in

https://www.inflibnet.ac.in/